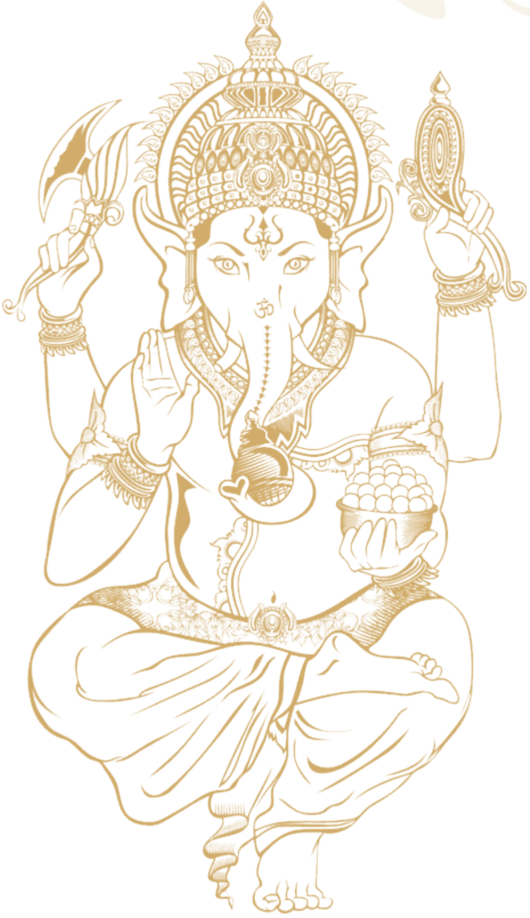

Rajat

01 Dec 1994

01:38 AM

Dadri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121551808

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-01/12/1994**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:38:00 घंटे**
इष्ट	46:49:47 घटी
स्थान	**Dadri**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:33:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:18:12 घंटे
वेलान्तर	00:11:27 घंटे
साम्पातिक काल	05:56:03 घंटे
सूर्योदय	06:54:05 घंटे
सूर्यास्त	17:22:38 घंटे
दिनमान	10:28:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:36:14 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:20:31 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शोभन
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:20:31	318:21:08	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	14:36:14	01:00:50	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	14:07:50	14:57:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	02:55:32	00:19:37	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	07:13:35	01:34:21	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु			वृश्चि	04:19:33	00:13:13	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
शुक्र			तुला	09:41:07	00:16:16	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	12:17:31	00:02:14	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	20:55:44	00:00:33	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	20:55:44	00:00:33	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मक	00:02:57	00:02:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	27:43:01	00:01:47	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	04:35:31	00:02:22	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मिथु	05:18:25	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:20

लग्न-चलित

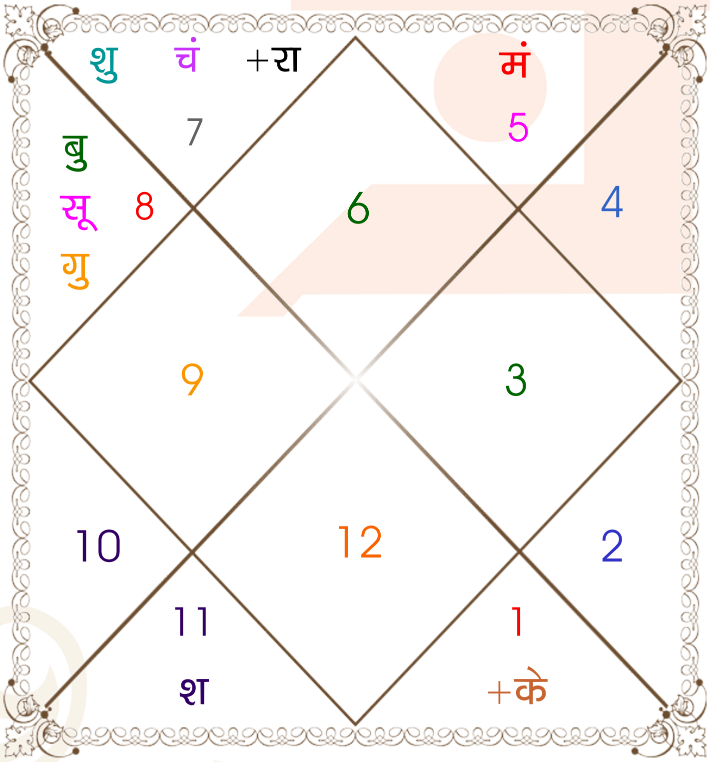

चन्द्र कुंडली

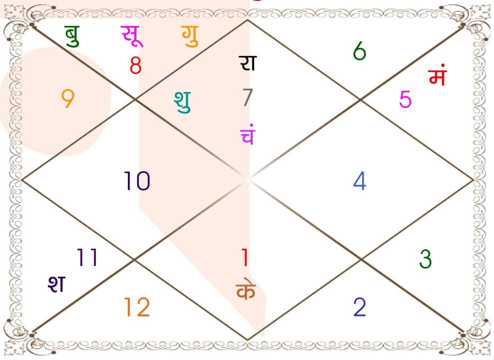

नवमांश कुंडली

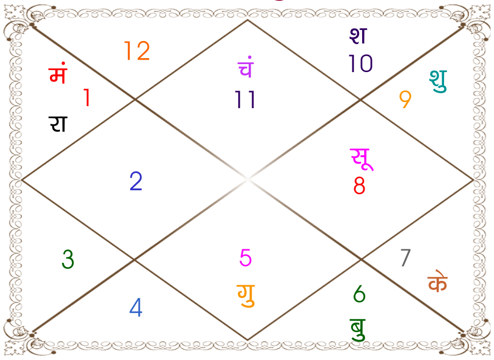

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 11 मास 2 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/12/1994		**03/11/2002**		**03/11/2018**		**02/11/2037**		**03/11/2054**	
03/11/2002		**03/11/2018**		**02/11/2037**		**03/11/2054**		**02/11/2061**	
	00/00/0000	गुरु	21/12/2004	शनि	06/11/2021	बुध	31/03/2040	केतु	01/04/2055
	00/00/0000	शनि	04/07/2007	बुध	16/07/2024	केतु	28/03/2041	शुक्र	31/05/2056
	01/12/1994	बुध	09/10/2009	केतु	24/08/2025	शुक्र	27/01/2044	सूर्य	06/10/2056
बुध	04/05/1995	केतु	15/09/2010	शुक्र	24/10/2028	सूर्य	03/12/2044	चंद्र	07/05/2057
केतु	22/05/1996	शुक्र	16/05/2013	सूर्य	06/10/2029	चंद्र	04/05/2046	मंगल	03/10/2057
शुक्र	23/05/1999	सूर्य	04/03/2014	चंद्र	07/05/2031	मंगल	01/05/2047	राहु	22/10/2058
सूर्य	15/04/2000	चंद्र	04/07/2015	मंगल	15/06/2032	राहु	18/11/2049	गुरु	27/09/2059
चंद्र	15/10/2001	मंगल	09/06/2016	राहु	22/04/2035	गुरु	24/02/2052	शनि	05/11/2060
मंगल	03/11/2002	राहु	03/11/2018	गुरु	02/11/2037	शनि	03/11/2054	बुध	02/11/2061

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/11/2061		**02/11/2081**		**03/11/2087**		**02/11/2097**		**03/11/2104**	
02/11/2081		**03/11/2087**		**02/11/2097**		**03/11/2104**		**00/00/0000**	
शुक्र	04/03/2065	सूर्य	20/02/2082	चंद्र	02/09/2088	मंगल	01/04/2098	राहु	17/07/2107
सूर्य	04/03/2066	चंद्र	22/08/2082	मंगल	03/04/2089	राहु	19/04/2099	गुरु	10/12/2109
चंद्र	03/11/2067	मंगल	28/12/2082	राहु	03/10/2090	गुरु	26/03/2100	शनि	16/10/2112
मंगल	02/01/2069	राहु	21/11/2083	गुरु	02/02/2092	शनि	05/05/2101	बुध	02/12/2114
राहु	03/01/2072	गुरु	08/09/2084	शनि	03/09/2093	बुध	02/05/2102		00/00/0000
गुरु	03/09/2074	शनि	21/08/2085	बुध	02/02/2095	केतु	28/09/2102		00/00/0000
शनि	02/11/2077	बुध	28/06/2086	केतु	03/09/2095	शुक्र	28/11/2103		00/00/0000
बुध	02/09/2080	केतु	03/11/2086	शुक्र	04/05/2097	सूर्य	04/04/2104		00/00/0000
केतु	02/11/2081	शुक्र	03/11/2087	सूर्य	02/11/2097	चंद्र	03/11/2104		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 10 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।